# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
# जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
# डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
# पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

**बुलेटिन संख्या–५३**
**दिनांक- मंगलवार, ११ जुलाई, २०२३**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.5 एवं 26.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 74 प्रतिशत, हवा की औसत गति 5.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.1 एवं दोपहर में 37.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में वर्षा नही हुई।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
## (12–16 जुलाई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 12–16 जुलाई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकतें है। इस अवधि में उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में हल्की वर्षा हो सकती है तथा कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है। 13–14 जुलाई के आसपास उत्तर बिहार के कुछ जिलों जैसे–सिवान, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, शिवहर, पश्चिमी चम्पारण तथा पूर्वी चम्पारण जिलों में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। इन जिलों के कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 66 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 12 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- जिन क्षेत्रों में वर्षा हुई है एवं धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। अगर इन क्षेत्रों में किसानों के पास बिचड़ा उपलब्ध नहीं है, तो किसान भाई कदवा करके धान की सीधी बुआई वेट डी.एस.आर.विधि से करें। जहाँ हल्की वर्षा हुई है एवं किसानों के पास बिचड़ा भी नहीं है, वैसे किसान अल्प अवधि एवं मध्यम अवधि वाले धान के बीज को डी.एस.आर. विधि से धान की बुआई करें।
- उचॉस जमीन की तैयारी करके अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेंद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- किसान भाई ऊचॉस जमीन में तिल की बुआई 2–3 दिनों के बाद वर्षा की संभावना को ध्यान में देखते हुए करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 60 क्विन्टल कम्पोस्ट, 20 किलो नेत्रजन, 20 किलोस्फुर एवं 20 किलो पोटाष का व्यवहार करें। बीजदर 4 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी 30 से0मी0 X 10 से0मी0 रखें। 2.0 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ–23 तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ–1 अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ–3 तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दूरी 2.0 मीटर है एवं बौनी जातियों में 1.5 मीटर रखें।
- आम का बगान लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग–अलग समय में पकने वाली किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जून माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दषहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिष्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाषंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम–1, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुषंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दूरी 10 मीटर, बीजू के लिए 12 मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को 2.5X2.5 मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे– कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे– कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में 10X10 मीटर की दूरी पर पौधों की रोपाई करें।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओ के निवास स्थान की साफ–सफाई करते रहे। दूधारू पशुओं को हरे चारे के साथ–साथ सूखा चारा (50:50) के अनुपात में खिलायें तथा 20–30 ग्राम खनिज मिश्रण व नमक प्रतिदिन दें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः 34.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः 26.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस कम |

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)